**56. वादी की सहमति के बिना कपट द्वारा प्राप्त किये गये एक विक्रय विलेख के रद्द किया जाने के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादिनी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादिनी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करती है—**

1. यह कि वादिनी का पति .................... .................... वादिनी, उसकी विवाहित पुत्री ........................... ......................... तथा उसका अवयस्क पुत्र ..................... को उसके पीछे छोड़कर .................... में मर गया। इस दुर्दशा में निःसहाय स्वंय को अनुभव करने वाली वादिनी ने उपर्युक्त उसकी पुत्री से निवेदन किया और उसके अप्राप्तवय तक उसके साथ रहने वाला उसका दामाद **भ म** प्राप्तवय हो जाता है और उस पर उसके मृत पति द्वारा छोड़ी गयी सम्पत्तियों का दायित्व ग्रहण करना प्रारम्भ तदानुसार पुत्री तथा उपर्युक्त दामाद ने उसके भवन में वादिनी के साथ रहना प्रारम्भ कर दिया और उसकी ओर से मामलों का प्रबन्ध करना प्रारम्भ कर दिया।
2. यह कि तारीख ................... को वादिनी का उपर्युक्त भ म ने वादिनी के समक्ष यह दुर्व्यपदेशन किया कि साधारण मुख्तारनामा उसकी सम्पत्तियों के मामले के प्रबन्धन के लिए आवश्यक है अंग्रेजी में लिखित कतिपय स्टाम्प पेपरों पर उसका अंगूठे का निशान लगवाया जिस भाषा को वादिनी ने जानती थी और भ म के विश्वास एवं प्रभाव में उसने साधारण मुख्तारनामा में होने के लिए इसको लेकर दस्तावेज पर हिन्दी में उसका हस्ताक्षर करवाया और नगर के उपरजिस्ट्रार के समक्ष इसको रजिस्ट्रीकृत करवाया। लेकिन इस प्रकार उप रजिस्ट्रार ने इसको रजिस्ट्रीकृत करवाने के दौरान दस्तावेज की प्रकृति के बारे में प्रकट नहीं किया।
3. यह कि वाद में जब तारीख ................... ............... को जब नगरपालिका से नोटिस उसकी सम्पत्तियों पर उसके दामाद के नाम की दाखिल खारिज करने के बारे में उसको उपर्युक्त उसके दामाद की अनुपस्थिति में आयी तब उसको उसके द्वारा किये गये कपट की जानकारी हुई।
4. यह कि प्रतिवादी यह भली भांति जानता था कि कथित अभ्यावेदन मिथ्या था और उसने इस पर उसका हस्ताक्षर करवाने के लिए वादी को उत्प्रेरित करने को ध्यान में रखते हुए कपटपूर्वक ढंग से उसको प्रस्तुत किया और उपरजिस्ट्रार के समक्ष कथित विलेख के निष्पादन को स्वीकार करता है।
5. यह कि वादी आशंका करता है कि कथित विलेख परादेय रहता है, वह एवं उसका पुत्र उनकी सम्पत्तियों से वंचित कर दिया जायेगा, और स्वयं भवन से किसी दिन बाहर कर दिया जायेगा।
6. यह कि उपर्युक्त दान-विलेख शून्य एवं अप्रवर्तनीय तथा ऐसे रूप में रद्द किया जाने योग्य है।
7. यह कि वाद हेतुक तारीख ................... ............... को इस न्यायालय के अन्दर पैदा हुआ जब प्रतिवादी ने कपट द्वारा निष्पादित दान-विलेख को निष्पादित करवाया और अन्त में तारीख ................... ............... को जब प्रतिवादी को यह जानकारी हुई कि कथितविलेख एक साधारण मुख्तारनामा का एक विलेख नहीं था लेकिन यह दान विलेख था।
8. यह कि वादी का उन सम्पत्तियों पर कब्जा था जो उपर्युक्त कूट रचित दान-विलेख की विषय वस्तु है।
9. यह कि वाद का उन सम्पत्तियों के मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ ................... ... ............... रुपये पर किया जाता है जो कथित दान-विलेख का विषय-वस्तु है और ईप्सित अनुतोषों के अनुसार न्यायालय फीस के लिए ................... ............... रुपये है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादिनी कथित दान-विलेख को शून्य न्यायनिर्णीत करवाने तथा रद्द करवाने का दावा करती है।

वादिनी जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादिनी